साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 | अंक 35 | प्रति सोमवार इंदौर, 01 अप्रैल से 07 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

अधिकारों की रक्षा के बहाने की दखलंदाजी

जर्मनी और यूएसए के बाद अब केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में कूदा यूएन...

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर जर्मनी और अमेरिका के बाद अब संयुक्त राष्ट्र ने भी अपनी टिप्पणी व्यक्त की है। भारत इस मामले में जर्मनी और अमेरिका के राजदूत को पहले ही तलब कर आंतरिक मामलों में दखलंदाजी के लिए फटकार लगा चुका है। मगर अब यूएन इस मामले में कूद गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तारी को लेकर जर्मनी और अमेरिका के बाद अब संयुक्त राष्ट्र ने भी दखलंदाजी कर दी है। यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले पर कहा कि उन्हें ''उम्मीद'' है कि भारत एवं किसी भी अन्य देश में, जहां चुनाव हो रहे हैं, लोगों के ''राजनीतिक और नागरिक अधिकारों'' की रक्षा की जाएगी और हर कोई एक ''स्वतंत्र व निष्पक्ष'' माहौल में मतदान कर पाएगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दिल्ली के

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक के मद्देनजर भारत में आगामी राष्ट्रीय चुनाव से पहले राजनीतिक स्थिति पर एक सवाल के जवाब में बृहस्पतिवार को ये टिप्पणियां कीं। दुजारिक ने बृहस्पतिवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमें बहुत ज्यादा उम्मीद है कि भारत तथा किसी भी अन्य देश में जहां चुनाव होने जा रहे हैं, वहां हर किसी के अधिकारों की रक्षा की जाएगी, जिनमें राजनीतिक और नागरिक अधिकार शामिल हैं। हर कोई स्वतंत्र व निष्पक्ष माहौल में मतदान कर पाएगा।''

(शेष पेज 7 पर)

बेरोज़गारी संकट

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट

बेरोजगार भारतीयों में से 83% युवा

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत के युवा बढ़ती बेरोजगारी दर से जूझ रहे हैं, लगभग 83% बेरोजगार आबादी इस जनसांख्यिकीय से संबंधित है। रिपोर्ट एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करती है जहां कुल बेरोजगार युवाओं में कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त शिक्षित युवाओं का अनुपात 2000 में 35.2% से लगभग दोगुना होकर 2022 में 65.7% हो गया है। माध्यमिक शिक्षा के बाद स्कूल छोड़ने की दर ऊंची बनी हुई है, खासकर गरीब राज्यों और हाशिए पर रहने वाले समूहों में। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में बढ़ते नामांकन के बावजूद, गुणवत्ता संबंधी चिंताएँ बनी हुई हैं, स्कूल और उच्च शिक्षा स्तरों पर महत्वपूर्ण सीखने की कमी देखी गई है। इसे 26 मार्च को मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन द्वारा जारी किया गया था।

शिक्षित युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी

अध्ययन के अनुसार, 2000 और 2019 के बीच युवा रोजगार और अल्परोजगार में वृद्धि हुई, लेकिन COVID-19 महामारी के वर्षों के दौरान इसमें गिरावट देखी गई। हालाँकि, शिक्षित युवाओं ने इस अवधि के दौरान काफी उच्च स्तर की बेरोजगारी का अनुभव किया।

इसके अलावा, श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), और बेरोजगारी दर (यूआर) में 2000 और 2018 के बीच निरंतर गिरावट देखी गई, केवल 2019 के बाद सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं, जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है।

हालाँकि, रिपोर्ट के लेखकों ने चेतावनी दी है कि इस सुधार की सावधानीपूर्वक व्याख्या की आवश्यकता है, विशेष रूप से इन परिवर्तनों के चालकों के बारे में उठाए गए सवालों को देखते हुए।

वेतन काफी हद तक स्थिर रहा है या उसमें गिरावट आई है, नियमित श्रमिकों और स्व-रोज़गार व्यक्तियों के लिए वास्तविक वेतन में 2019 के बाद नकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। अकुशल आकस्मिक श्रमिकों के एक बड़े हिस्से को 2022 में अनिवार्य न्यूनतम वेतन नहीं मिला।

(शेष पेज 2 पर)

न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की चेतावनी को हल्के में न लें। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में है. इस आरोप से मैं बेहद आहत हूं. इस पूरे मामले पर मीडिया को संयम बरतने की सलाह दी गई है.

विदित हो जस्टिस रंजन गोगोई के खिलाफ एक महिला द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में विशेष बेंच में सुनवाई हुई. इस दौरान चीफ जस्टिस गोगोई ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि इसके पीछे कोई बड़ी ताकत होगी, वे सीजेआई के कार्यालय को निष्क्रिय करना चाहते हैं. जस्टिस गोगोई ने सुनवाई के दौरान कहा, 'मैंने आज अदालत में बैठने का असामान्य और असाधारण कदम उठाया है क्योंकि चीजें बहुत आगे बढ़ चुकी हैं. मैं इस कुर्सी पर बैठूंगा और बिना किसी भय के न्यायपालिका से जुड़े अपने कर्तव्य पूरे करता रहूंगा. 20 साल की सेवा के बाद यह सीजेआई को मिला इनाम है'.

चीफ जस्टिस ने कहा कि इसके पीछे कोई बड़ी ताकत होगी, वे सीजेआई के कार्यालय को निष्क्रिय करना चाहते हैं. लेकिन न्यायपालिका को बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता.रंजन गोगोई ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है. मुझे नहीं लगता कि इन आरोपों का खंडन करने के लिए मुझे इतना नीचे उतरना चाहिए. कोई मुझे धन के मामले में नहीं पकड़ सकता है, लोग कुछ ढूंढना चाहते हैं और उन्हें यह मिला. न्यायाधीश के तौर पर 20 साल की निस्वार्थ सेवा के बाद मेरा बैंक बैलेंस 6.80 लाख रुपये है'. जस्टिस गोगोई ने स्पष्ट कहा कि मैं इस कुर्सी पर बैठूंगा और बिना किसी भय के न्यायपालिका से जुड़े अपने कर्तव्य पूरे करता रहूंगा.

(शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

मोदी का नया भारत, लुटता गरीब और लूटते धनवान

क्या आपको अमीरों और गरीबों के हिंदुस्तान में फर्क पता है? मोदी और भाजपा ने देश का बंटाधार कर दिया हैं। दस सालों में मोदी सरकार ने देश दो टुकड़ों में बांट दिया है- एक अमीरों का हिंदुस्तान दूसरा गरीबों का हिंदुस्तान। भाजपा सरकार में अमीरों और गरीबों के बीच की खाई, अंग्रेज के राज से भी गहरी है। इतनी असमानता अंग्रेजों के दौर में भी नहीं था, जितना ये तथाकथित देशभक्तों ने पैदा किया है। ये असमानता दुनिया के मुकाबले भारत में सबसे ज्यादा है, जिसका कारण ँव्ङ्ख की जनता विरोधी सोच और मानसिकता है। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि ऐसा सौ साल में पहली बार हुआ है, देश की 40% संपत्ति इस देश के 1% अमीरों से पास है। इन्हीं 1% अमीरों के पास देश के कुल आय का 22% हिस्सा भी है। मोदी ने जो दो हिंदुस्तान बनाए हैं, उनमें जमीन-आसमान का फर्क है। अमीरों के हिंदुस्तान में मोदी जी के उद्योगपति मित्र रहते हैं, जो दोनों हाथों से देश लूट रहे हैं। गरीबों के हिंदुस्तान में इस देश के ईमानदार नागरिक रहते हैं, जिन्हें दो वक्त का भरपेट भोजन भी नसीब नहीं है। अमीरों के हिंदुस्तान में मोदी जी के वे नेता रहते हैं, जिनके बेटे बिना किसी योग्यता के बीसीसीआई के अध्यक्ष बन जाते हैं। गरीबों के हिंदुस्तान में वे मेहनतकश लोग रहते हैं, जिनके बेटे सारी योग्यता के बावजूद नौकरियों के लिए लाठी खाने को विवश रहते हैं। अमीरों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जो प्री वेडिंग कार्यक्रम में हजारों करोड़ रूपये पानी की तरह बहा देते हैं। गरीबों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जिनके पास न बच्चों की पढाई के लिए पैसा है, न मां-बाप की दवाई के लिए। अमीरों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जो जनता की संपत्तियों को कौड़ियों के दाम में खरीद रहे हैं। गरीबों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जिनके पास इस महंगाई में सब्जी और दाल खरीदने के पैसे नहीं है। अमीरों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जिनके लिए बंदे भारत और बुलेट ट्रेन चलाई जा रही है। गरीबों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जो सामान्य ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह ठूंसे जाने पर मजबूर हैं। अमीरों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जिनके लिए मोदी जी 18-18 घंटे काम करते हैं। गरीबों के हिंदुस्तान में वे लोग रहते हैं, जो पांच किलो राशन के लिए लाइनों में लगने के लिए मजबूर हैं। इसके अलावा और भी लोग गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। हर रात को भूखे पेट सो जाने वाले लाखों बच्चे गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। दिन में एक ही वक्त भोजन पाने वाले करोड़ों लोग गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। धुओं से आखं मलती चुल्हे पर खाना पकाती माएं गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। दूध और संतुलित आहार के अभाव में कुपोषित हो चुके करोड़ों बच्चे गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। नौकरी के अभाव में दर-दर की ठोंकरे खाने वाले करोड़ों युवा गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। न्याय की आस में अपमान का घूंट पीते शोषित लोग गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। दुर्व्यवहार और शोषण से कराह रही बेटियां गरीबों के हिंदुस्तान में रहती हैं। अपनी फसलों के लिए पुलिस की लाठियां खाते किसान गरीबों के हिंदुस्तान में रहते हैं। अमीरों और गरीबों के हिंदुस्तान का फर्क आपको भी समझना पड़ेगा, वर्ना ये सरकार आपको जीने नहीं देगी।

बेरोजगार भारतीयों में से 83% युवा

पेज 1 का शेष

विभिन्न राज्यों में रोज़गार परिणामों में महत्वपूर्ण भिन्नताएँ मौजूद हैं, कुछ राज्य रोज़गार संकेतकों में लगातार निचले स्थान पर हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य पिछले कुछ वर्षों में खराब रोजगार परिणामों से जूझ रहे हैं, जो क्षेत्रीय नीतियों के प्रभाव को दर्शाता है।

भारत में युवा रोजगार की चुनौती

भारत युवा रोजगार के मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है क्योंकि इसमें अपने जनसांख्यिकीय लाभ का दोहन करने की क्षमता है। जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कामकाजी आयु वर्ग के अंतर्गत आने के कारण, भारत को 'जनसांख्यिकीय लाभांश' से लाभ होगा।

हालाँकि, इस लाभ को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि युवा आबादी, जो 2021 में कुल जनसंख्या का 27% थी, 2036 तक घटकर 23% होने का अनुमान है।

कोविड-19 महामारी ने युवा श्रम बाजार में चुनौतियों को बढ़ा दिया है, जिससे चरम अवधि के दौरान संकेतक अस्थायी रूप से खराब हो गए हैं। हालाँकि लॉकडाउन के बाद कुछ सुधार हुआ, लेकिन इसके साथ ही खराब गुणवत्ता वाले काम में भी वृद्धि हुई, विशेष रूप से स्व-रोज़गार और अवैतनिक पारिवारिक काम में।

तकनीकी प्रगति ने कौशल और रोजगार के प्रकारों की मांग को भी प्रभावित किया है, उच्च और मध्यम-कौशल वाली नौकरियों और गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं का बेहतर प्रतिनिधित्व है। हालाँकि, इन क्षेत्रों में नौकरी की असुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है।

और, भारतीय राज्यों में युवा रोजगार परिणामों में क्षेत्रीय असमानताएं मौजूद हैं, जनसांख्यिकीय संक्रमण के विभिन्न चरणों में राज्यों में अलग-अलग रोजगार परिणाम अनुभव हो रहे हैं। जबकि कुछ राज्य आशाजनक परिणाम दिखाते हैं, अन्य, विशेष रूप से उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में, युवा रोजगार में चुनौतियों का सामना करते हैं।

विरोधाभासी श्रम बाज़ार की गतिशीलता, अनौपचारिक क्षेत्र और आजीविका असुरक्षाएँ

हाल के वर्षों में प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों में विरोधाभासी बदलाव देखे गए हैं, जो सुधार और असफलताओं के मिश्रण को दर्शाते हैं। जबकि श्रम बल भागीदारी दर, कार्यबल भागीदारी दर और बेरोजगारी दर में 2000 से 2019 तक लंबे समय तक गिरावट का अनुभव हुआ, दो चरम महामारी तिमाहियों को छोड़कर, सीओवीआईडी -19 महामारी सहित आर्थिक तनाव की अवधि के साथ, बाद में सुधार हुआ।

समग्र श्रम बाज़ार संकेतकों की प्रवृत्ति महिला श्रम बाज़ार में अधिक प्रमुखता से प्रतिध्वनित होती है। पिछले वर्षों में उल्लेखनीय गिरावट के बाद, महिला श्रम बाजार भागीदारी दर ने 2019 के बाद से, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से ऊपर की ओर प्रक्षेपवक्र प्रदर्शित किया।

जैसा कि रोजगार स्थिति सूचकांक से संकेत मिलता है, पिछले कुछ वर्षों में रोजगार की स्थितियों में भी धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। 2005 और 2022 के बीच, मूल्यों में लगातार वृद्धि हुई, जो बेहतर रोजगार स्थितियों को दर्शाता है। हालाँकि, यह प्रवृत्ति बाधित हो गई और 2019 के बाद उलट भी गई, जो कि सीओवीआईडी -19 महामारी की शुरुआत के साथ हुई, जिसने रोजगार की स्थिति में लगातार चुनौतियों को उजागर किया।

रिपोर्ट व्यापक आजीविका असुरक्षाओं को रेखांकित करती है, विशेष रूप से उन लोगों के बीच जो सामाजिक सुरक्षा उपायों के दायरे में नहीं आते हैं। अनुमान है कि शहरीकरण और प्रवासन दर में वृद्धि होगी, अनुमान है कि 2030 तक प्रवासन दर लगभग 40 प्रतिशत होगी और प्रवासन के कारण पर्याप्त शहरी जनसंख्या वृद्धि होगी, विशेष रूप से पूर्वी और मध्य क्षेत्रों से दक्षिणी, पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में।

कौशल की कमी, लैंगिक असमानताएं युवाओं के रोजगार में बाधक हैं

भारत की युवा जनसांख्यिकी के बावजूद, कार्यबल के बीच आवश्यक कौशल की चिंताजनक कमी है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि युवाओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से में बुनियादी डिजिटल साक्षरता कौशल का अभाव है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में बाधा आ रही है। इसमें कहा गया है कि 90 प्रतिशत भारतीय युवा स्प्रेडशीट में गणितीय सूत्र डालने में असमर्थ हैं, 60 प्रतिशत फ़ाइलें कॉपी और पेस्ट नहीं कर सकते हैं, और कम से कम 75 प्रतिशत युवा संलग्नक के साथ ईमेल भेजने में असमर्थ हैं।

रिपोर्ट महिला श्रम बल भागीदारी की कम दर के साथ श्रम बाजार में बढ़ते लिंग अंतर पर भी प्रकाश डालती है। युवा महिलाओं, विशेषकर उच्च शिक्षा प्राप्त महिलाओं को रोजगार हासिल करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

सकारात्मक कार्रवाई और लक्षित नीतियों के बावजूद सामाजिक असमानताएँ भी बनी हुई हैं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को बेहतर नौकरी के अवसरों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यद्यपि सभी समूहों में शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हुआ है, सामाजिक पदानुक्रम कायम है, जिससे रोजगार असमानता बढ़ गई है।

ड्रग टेस्ट में फेल हुईं ये फार्मा कंपनियां, राजनीतिक दलों को दिए करोड़ों के इलेक्टोरल बॉन्ड

देश में कई ऐसी दवा कंपनियां हैं जिनकी दवाईयां टेस्ट में फेल होती रही हैं। लेकिन इन कंपनियों ने दवाओं के ड्रग टेस्ट में फेल होने पर करोड़ों रुपयों के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर राजनीतिक पार्टियों को चंदे के तौर पर दिए हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े डेटा विश्लेषण के बाद ऐसी बातों का पता चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बीते दिनों चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा उपलब्ध कराया है। इस डेटा को चुनाव आयोग की ओर से सार्वजनिक कर दिया गया है। इसके बाद से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा देने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत 2017 में हुई थी। डेटा से पता चलता है कि करीब 23 फ़ार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के ज़रिये क़रीब 762 करोड़ रुपये का चंदा राजनीतिक दलों को दिया है।

ड्रग टेस्ट में फेल हुईं ये फार्मा कंपनियां

टोरेंट फ़ार्मास्यूटिकल लिमिटेड का रजिस्टर्ड ऑफिस गुजरात के अहमदाबाद में है। कंपनी की ओर से साल 2018 से 2023 के बीच बनाई गई तीन दवाएं ड्रग टेस्ट में फेल हुई हैं। जो दवाएं फेल हुईं उनमें डेप्लेट ए 150 जो दिल का दौरान पड़ने पर बचाती है, लोपामाइड और निकोरन आईवी 2 शामिल है। कंपनी की ओर से 7 मई 2019 से 10 जनवरी 2024 के बीच 77.5 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए हैं। साल 2018 से 2023 के बीच सिप्ला लिमिटेड की दवाओं के सात बार ड्रग टेस्ट फेल हुए। सिप्ला लिमिटेड का रजिस्टर्ड दफ्तर मुंबई में है। कंपनी का जो सिपरेमी इंजेक्शन ड्रग टेस्ट में फेल हुआ उसका इस्तेमाल कोविड के इलाज में किया जाता है। इस कंपनी ने 10 जुलाई 2019 और 10 नवम्बर 2022 के बीच 39.2 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे।

राजनीतिक दलों को दिया करोड़ों का चंदा

सन फ़ार्मा लेबोरेटरीज़ लिमिटेड ने 15 अप्रैल 2019 और 8 मई 2019 को कुल 31.5 करोड़ रुपये के बॉन्ड ख़रीदे। वहीं साल 2020 और 2023 के बीच 6 बार इस कंपनी की बनाई गई दवाओं के ड्रग टेस्ट फ़ेल हुए। इन दवाओं में कार्डीवास, लैटोप्रोस्ट आई ड्रॉप्स, और फ़्लेक्सुरा डी शामिल थीं। कंपनी का मुख्यालय मुंबई में है। ज़ाइडस हेल्थकेयर लिमिटेड ने 10 अक्टूबर 2022 और 10 जुलाई 2023 के बीच इस कंपनी ने 29 करोड़ रुपए के बॉन्ड ख़रीदे थे। साल 2021 में बिहार के ड्रग रेगुलेटर ने इस कंपनी की बनाई गई रेमडेसिविर दवाओं के एक बैच में गुणवत्ता की कमी की बात कही थी।

इसी तरह हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड और हेटेरो लैब्स लिमिटेड की ओर से साल 2018 और 2021 के बीच बनाई गई दवाओं के सात ड्रग टेस्ट फ़ेल हुए। हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड ने 7 अप्रैल 2022 और 11 जुलाई 2023 को 30 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे। ये सारे बॉन्ड तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी को दिए गए। हेटेरो लैब्स लिमिटेड ने 7 अप्रैल 2022 और 12 अक्टूबर 2023 को 25 करोड़ रुपये के बॉन्ड ख़रीदे थे। इंटास फ़ार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने 10 अक्टूबर 2022 को 20 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे थे। जुलाई 2020 में इस कंपनी की बनाई गई दवा एनाप्रिल का ड्रग टेस्ट फ़ेल हुआ था।

आईपीसीए लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड की दवा लारियागो टेबलेट का ड्रग टेस्ट फ़ेल हुआ था। 10 नवम्बर 2022 और 5 अक्टूबर 2023 के बीच इस कंपनी ने 13.5 करोड़ रुपए के बॉन्ड ख़रीदे थे।

ग्लेनमार्क फ़ार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की बनाई गई दवाओं के छह ड्रग टेस्ट फ़ेल हुए थे। इस कंपनी ने 11 नवंबर 2022 को 9.75 करोड़ रुपये के बॉन्ड ख़रीदे।

नर्मदा घाटी भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण

10 से 20% पाइपों की चौड़ाई व मोटाई कम

नर्मदा पर बने पांच बांधों की हजारों किमी नहरों में भ्रष्टाचार के बाद सभी उदवहन परियोजनाओं में भी हो रहा फर्जीवाड़े भ्रष्टाचार का तांडव

मध्य प्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी पर बने बड़े पांच बांधों यथा बरगी, जबलपुर इंदिरा सागर ओंकारेश्वर, खंडवा, महेश्वर खरगोन सरदार सरोवर झाबुआ बड़वानी मैं बन जाने के बाद हजारों किलोमीटर लंबी नहरों जिन पर हजारों करोड रुपए खर्च किया गया। में पिछले 25 सालों में 30 से 40% का भ्रष्टाचार भी गया किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री अध्यक्ष और भारतीय प्रधान सेवा अधिकारी उपाध्यक्ष से लेकर सदस्य अभियंता मुख्य अभियंता अधीक्षण कार्यपालन सहायक उप यंत्रियों से लेकर बाबूओं, वरिष्ठ लेखाकार बाबू अंकेक्षक संभागीय लेखाकारों नहीं ठेकेदारों के साथ मिलकरहर कदम हर जगह मोटी लूट व भ्रष्टाचार किया। अरबो रुपए का खेल हुआ। इसी कारण इसलिए 18 सालों सेसूचना के अधिकार मेंमुख्यालय भोपाल से लेकर नीचे जबलपुर और इंदौर संभाग के अधिकांश जिलों में कार्यपालन यंत्रियों के संभागीय कार्यालयों में सूचना के अधिकार में जानकारी मांगने पर हरामखोरों की फौज कभी जानकारी नहीं देती और वहां बैठे हुए अधीक्षण यंत्री और मुख्य अभियंता तक अधिकांश अपील खारिज कर देते हैं जहां तक सूचना आयोग का सवाल है तो वहां भी निखट्टू गिद्धों का बसेरा है। जो वर्षों तक अपील की सुनवाई नहीं करती और उसकी आड़ मेंजनता से लूटा हुआ धनइस भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण में बैठे आरंभ और अधिकारी आराम से हजम कर जाते हैं और यही कारण है कि हर चुनाव से पहले हजारों करोड़ के ठेकों में सीधा-सीधा 10% कार्यशील पूंजी के नाम पर और 5% मशीन अग्रिम के नाम पर पिछले तीन विधानसभा चुनावों से पहले शिवराज सिंह चौहान और उसके उपाध्यक्ष से लेकर सदस्य व मुख्य अभियंता तक अधिकांश पैसा जो डीपीआर दोगुनी से ज्यादा बनाई जाती है उसे अग्रिम का पैसा लेकर निकल जाते थे।

वर्तमान में 10 से ज्यादा चल रही हजारों करोड़ की जल उदवहन परियोजनाओं में इसमें अधिकांश ठेके घोर भ्रष्ट मेघा इंजीनियरिंग व इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड जिसने बरस करोड रुपए का इलेक्टोरल बांड का चंदा भाजपा को दिया था व एलएनटी के चल रहे हैं।

फिर नर्मदा घाटी यथार्थ में भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण मप्र के जल संसाधन विभाग का ही हिस्सा है इसलिए उसके इंजीनियर दाएं होते रहते हैं जल संसाधन के इंजीनियर मोटा पैसा देकर नर्मदा घाटी में आते हैं। जब उनकी लेट लगी थी भ्रष्टाचार सर से ऊपर होने लगता है तो उन्हें वापस जल संसाधन विभाग में भेज दिया जाता है जैसा कि वर्तमान में हाल ही में घर भ्रष्ट देवड़ा जिसने पहले कार्यपालन व अधीक्षण यंत्री रहते हुए इंदिरा सागर नहरों में भारी भ्रष्टाचार कियातो पुनःजल संसाधन विभाग में भेज दिया गया थाबाद में पुणे मोटापा सब देकर नर्मदा घाटी के निचली नर्मदा परियोजनाओं में मुख्य अभियंता के रूप में प्रदस्थ किया गया था। 20 21 मार्च को पुनः इंदौर के जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय में भेज दिया गया।

इंदौर की निचली नर्मदा परियोजनाओं में छह संभागों में काली सिंध परियोजना भाग 1 2 3 चल रहे हैं। जबकि सनावद स्थित इंदिरा सागर नहरों के मुख्य अभियंता कार्यालय में नर्मदा पार्वती, नर्मदा काली सिंध परियोजना जो कि लगभग 2800 व 4800 करोड़ की है के अंतर्गत हजारों करोड़ की जल उद् वहन परियोजनायें चल रही है। इन में लगभग200 किमी एमएस स्टील पाइपलाइन जिसमें अंदर कॉपर रेड ऑक्साइडका पेंट और ऊपर सीमेंट की दो सेंटीमीटर मोटी लोहे की जाली लगाकर परत चढ़ाई जानी है। ताकि अंदर से लोहा खराब ना हो और ऊपर से मिट्टी सीमेंट के कारण सड़ाये नहीं। जिसका वृत 4.6 मी, 3.16 मी, नर्मदा छपरा बहुउद्देशी परियोजना जो लगभग 1800 करोड़ की है जो उज्जैन जिले की नागदा तहसील तक सिंचाई कार्य में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है पर इसके विपरीत अधिकांश बिछाई जाने वाले पाइपों का स्तर बनाई गई डीपीआर सेन केवल 10% व्रत काम है तो दूसरी तरफ इसकी मोटाई जो 1.80 से 2.2 सेंमी तक होनी चाहिए। भी काम है के साथ यदि वह एमएस स्टील पाइप है, तो उसमें जंग क्यों लग रही है?

साथी तकनीकी काम में जी गहराई तक उन पाइपों को डाला जाना चाहिए थाऔर जिस सुरक्षा के साथ डाल चाहिए जाना चाहिए था वह एलएनटी में आप जानते हैं भारी भ्रष्टाचार के कारणभी पूरा नहीं करती हैके साथ यह वृहत पाइपलाइन छोर तक पहुंचते पहुंचते हजारों किलोमीटर लंबी सैकड़ो छोटी वितर्नियों में खेतों तक पहुंचेगी। इसके साथ ही जितने भी पंप हाउस में पंप लगाई जा रहे हैं उसमें बिजली के ट्रांसफार्मर से लेकर पंपों तक में भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित और उनके स्तर की मोटरों में भी काफी फिर बदल किया जाता है और जब इन हरामखोर जलसा जो से बिलों की कॉपी मांगी जाती है पाइपों के स्टील की मोटाई प्रेशर झेलने की क्षमता की टेस्ट रिपोर्ट मांगी जाती हैतो यहां बैठे अधिकारी चाहे वह निकली नर्मदा परियोजना में हो या इंदिरा सागर बरगी भोपाल मैं बैठे मुख्य अभियंताओं, सिविल हरामखोर कोई भी रिपोर्ट नहीं देते जबकि पूरे घर भ्रष्ट प्रशासन ने विद्युत एवं यांत्रिकी का पिछले 5 सालों से कोई भी मुख्य अभियंता जो प्रदेश के लगभग 30 से ज्यादा संभागों में चल रही विद्युत एवं यांत्रिकीय कार्यों की देखरेख करता है। अपनी भ्रष्टाचार और जालसाजियों की लूटपाट के कारण पदस्थ ही नहीं किया।

वैसे भी पूरे प्रदेश में अधिकांश इंजीनियर 1 से 2 वरिष्ठ पदों की मोटी इएम आइ चुका या वसूल कर पदस्थ किए गए हैं अर्थात प्रदेश की जनता से लूटा हुआ धन है यह भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण जिसे पिछले 25 सालों से में विस्तृत अध्ययन कर प्रस्तुत कर रहा हूं। इसके पूर्व में भीसन 2014-15 में मैंने बड़वा उज्जैनीसिंह परियोजना में डाले गए पाइपों के बारे में जिसका 2 मी का भुगतान हुआ था 55 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन को जब नापा गया तो वह 1.8 मी निकली वह उसकी थिकनेस भी 1.6थी जबकि भुगतान2 सेंटीमीटर का किया गया था मेरे इस कटु सत्य के छापने के बाद पूरी डीपीआर बदलकर पाइप की चौड़ाई 1.8 मी दिखा मोटाई भी 1.63सेमी दिखा दी गई।

मुख्य अभियंता सनावद नहरों में आने वाले चार वृत कार्यालय में वृत्त क्रमांक 1 में संभाग क्रमांक 12 राजपुर 19 भीकनगांव और निचली गोई नहर संभाग राजपुर लगता है वही हाल खरगोन वृत में संभाग 18, 24 व नहर खरगोन, व्रत क्रमांक 8के अंतर्गत तेरा खंडवा 21 संवत 23 भोपाल 25 नर्मदा नगर और 28 पुनासा संभाग आते हैं पर यहां पर बैठने वाला हर अधीक्षण यंत्री चूंकी इस व्रत 8के अंतर्गत मुख्यालय संभालने वाला संभाग क्रमांक 23 जो सबसे बड़े भ्रष्टाचारों लूट डकैती का अड्डा है जिसके अंतर्गत दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश सरकार का नर्मदा विश्रम ग्रह आता है जहां लाखों रुपए महीने की धुलाई सफाई कागजों पर खर्च होती है।

इसी संभाग के पास प्रदेश में बैठे मुख्यालय केनर्मदा घाटी भ्रष्टाचार विभाग के पांच महत्वपूर्ण सदस्यों के वेतन भत्तों गाड़ी घोड़ा व अन्य खर्चो की भुगतान किए जाते हैं जिसमें से 25 से 40% तक भ्रष्टाचार किया जाता है संभाग क्रमांक 21 सनावद जहां पर कार्यपाली नियंत्रित मंडलोई बाबू और कंप्यूटर ऑपरेटर ने मिलकर कर्मचारियों के करोड़ों रुपए उसकी भविष्य निधि निकाल लिए जबकि यह बहुत छोटा मामला है बेशक कर्मचारियों की भविष्य निधी है इसलिए उनके लिए बड़ा हो सकता है परंतु यहां पर भी जल उदवहन परियोजना का कार्य चल रहा है संभाग 23 वैसे तो भोपाल में है पर वहां पर भी गंजाम का हजारों करोड़ का काम चल रहा है हर जगह क्योंकि सभी जगह पाइप लाइनों से पानी को नर्मदा से उठाकर लगभग 300 से 500 फुट ऊंचाई के क्षेत्र में सिंचाई की परियोजना जो पूरी जालसाजी है क्योंकि 1970 में हीमध्य प्रदेश जल संसाधन विभाग मेंलिफ्ट परियोजनाओं पर बिजली के खर्च पाइप लाइन पंपों के रखरखाव के खर्चों के कारण बंद कर दिया था वर्तमान मेंना अकेले नर्मदा घाटी भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण में लगभग 50000 करोड़ से ज्यादा की केवल लिफ्ट परियोजनाएं चल रही है जो भविष्य मेंबिजली की आपूर्ति के करोड़ों के बिलों के कारण भारी भरकम खर्चो को संभालना पाने के कारण बंद कर दी जाएगी। बेशक किस पानी का उपयोग करना उसे जानता है इसका उत्पादन भी मिलता है उसे न केवल किस को जनता सरकार व देश को भी फायदा होता है परंतु पानी की आपूर्ति का बिल अधिकांश किसान नहीं चुकाते हैं।

भ्रष्टाचार विकास प्राधिकरण की अपनी साइट पिछले 1718 वर्षों से चल अवश्य रही है पर वहां का जलसाघर निकम्मा और भ्रष्ट स्टाफ के साथ सदस्य अभियंता उपाध्यक्ष अध्यक्ष और स्वयं मुख्यमंत्री नहीं चाहते कि उनका सच परियोजनाओं की लागत टेस्ट रिपोर्ट उसके फायदे और पूरी रिपोर्ट सूचना अधिकार अधिनियम के धारा 4 के अंतर्गत उसे पर प्रदर्शित की जाए और यहां तक भी होता है कि उसकी साइट खोलकर अब किसी भी बिंदु को क्लिक कीजिएगा परंतु अधिकांश लिंक उसकी पंक्ति से दूसरी जुए सट्टे की साइटों से लेकर अन्य साइटों पर पहुंचा देती है। वर्तमान में सदस्य अभियंता के रूप में एच आर चौहान अगस्त कर दिया गया है स्वाभाविक है मोटा धन देकर जो भ्रष्टाचार से इंद्र सागर परियोजनाओं के साथ 10 नंबर व्रत में जैसा कि बताया अधिकांश परियोजनाओं में भारी भ्रष्टाचार किया जाता है के कमाये धन से पद प्राप्त किया गया है और आप जानते हैं जब 50000 को उससे ज्यादा की परियोजनाएं चल रही है और वह भी बनाने वाली सभी ऐतिहासिक भ्रष्ट कंपनियां हर बिल पर भुगतान देने के साथ जब कार्या देश देती हैं। तभी भारी भुगतान करती हैं के दम पर ही बैठाये गये हैं।

इसलिए नर्मदा घाटी का यह भ्रष्ट ग्रह जनता के पैसे का कहां कैसे उपयोग किया जा रहा है कहां कौन बैठा हुआ है किसकी क्या शैक्षणिक व पेशेवर योग्यता है। की जानकारी देने की बात तो बहुत दूर डकैतों ने 18 साल में भी उसे साइट पर धारा 4 की जानकारी आवश्यक नहीं डाली है परंतु वर्तमान में उसे साइट परक मैन्युअल सिस्टम अवश्य अपलोड कर सारी नाप पुस्तकों को अवश्य ऑनलाइन कर दिया है।

हर संभागीय स्तर पर31 मार्च के पहले प्राप्त आवंटन को खत्म करने मोटे कमीशन पर लाखों रुपए के फर्जी भुगतान हस्त प्राप्तियां पर कर दिए गए। इसके साथ ही हर संभाग में 2 से 20 लाख तक के बिना निविदा के करवाए कार्यों में अपने खास ठेकेदारों को भी 60 40% के अनुपात में धडल्ले से सरकारी आवंटन खत्म करने के लिए भुगतान किए और मोटा धान इस वर्षांत में हजम किया गया गया।

बेशक पाइप लाइन से यथा योगी कमीशन हर संभाग के कार्यपाली नियंत्रण में अपने अधीक्षण यंत्री मुख्य अभियंता सदस्य अभियंता तक पहुंचाया। अब इतने भ्रष्टाचारों के चलते यह हरामखोर डकैतों का गिरोह कैसी तो सूचना का अधिकार में जानकारी दें और कैसे धारा चार के अंतर्गत 25 बिंदुओं की जानकारी ईमानदारी से अपलोड करता रहे। ताकि सूचना के अधिकार में आवेदन देने की आवश्यकता ही ना पड़े।

साप्ताहिक समय माया

सौंफ का सेवन हम सभी किसी न किसी रूप में करते ही हैं. सौंफ में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं. इस लेख में जानिए सौंफ का सेवन कैसे करें? सौंफ खाने के फायदे, सौंफ के नुकसान, सौंफ की चाय कैसे बनती है? सौंफ के पानी का सेवन कैसे करें? यानी सौंफ के बारे में आपके हर प्रश्न का जवाब आपको यहां मिलेगा.

सौंफ फायदे, नुकसान व औषधीय गुण

सौंफ के बारे में ज्यादातर लोग जानते हैं. लेकिन जिसके बारे में ज्यादातर लोगों को लगता है कि वह जानते हैं, अक्सर उसी के बारे में ज्यादातर लोग कई बातें नहीं जानते. वैसे तो सौंफ हम सबके घरों में मसाले के रूप में इस्तेमाल होती है. इसके अलावा माउथ फ्रेशनर के तौर पर बी सौंफ का भरपूर इस्तेमाल होता है. खासतौर पर इसकी सौंधी खुशबू और इसके गुणों के लिए सौंफ लगभग सभी को अच्छी लगती है. इसमें कई औषधीय और पोषक तत्व भी होते हैं जो हमें कई तरह की बीमारियों से बचाने के साथ ही शरीर में कई प्रकार के विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं. सौंफ सदियों से हमारे घरों में पेट संबंधी परेशानियों में रामबाण इलाज के रूप में इस्तेमाल होती आ रही है. इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, विटामिन-ए और सी के साथ ही पोटेशियम भी होता है.

सौंफ खाने के फायदे

आमतौर पर सौंफ का सेवन सांसों की दुर्गंध को दूर करने और उन्हें तरोताजा बनाए रखने के लिए किया जाता है. सौंफ मुंह को कैंडिडा इंफेक्शन से भी बचाता है. सौंफ गुणों की खान है और इसे कई तरह की परेशानियों के लिए रामबाण इलाज के तौर पर उपयोग में लाया जाता है. तो चलिए जानते हैं इसके कुछ खास फायदे क्या-क्या होते हैं?

- पाचन तंत्र के लिए सौंफ के फायदे
- आंखों की रोशनी के लिए सौंफ
- वजन कम करने में फायदेमंद सौंफ
- अस्थमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं में सौंफ
- कॉलेस्ट्रोल नियंत्रित होता है
- सौंफ का सेवन दिलाए कफ से निजात
- दिमागी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है सौंफ
- स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए लाभदायक
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है सौंफ
- अच्छी नींद के लिए करें सौंफ का सेवन
- मासिक धर्म की समस्याओं से राहत देती है सौंफ
- हर्निया के उपचार में सहायक
- डायबिटीज से बचा सकती है सौंफ
- लिवर की सेहत के लिए करें सौंफ का सेवन
- सौंफ का सेवन करें, मॉर्निंग सिकनेस से मिलेगा छुटकारा
- कैंडिडा से भी बचाती है सौंफ
- त्वचा को निखारे
- बालों की सेहत के लिए सौंफ

सौंफ के नुकसान

- हर सिक्के के दो पहलू होते हैं. यदि सौंफ के इतने फायदे हैं तो इसके अधिक सेवन या गलत इस्तेमाल से कई तरह के नुकसान भी हो सकते हैं. आइए जानते हैं सौंफ के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.
- यदि आप किसी तरह की दवाओं का नियमित सेवन कर रहे हैं तो सौंफ का सेवन न करें. अगर सौंफ का सेवन करना ही चाहते हैं तो पहले अपने डॉक्टर से बात कर लें. माना जाता है कि रूटीन की दवाओं के साथ सौंफ का सेवन हानिकारक हो सकता है.
- अगर आपको छींक आने की परेशानी है तो सौंफ का सेवन नहीं करना चाहिए. ऐसे में अगर आप सौंफ खाते हैं तो आपकी छींकें बढ़ सकती हैं और पेट दर्द की समस्या भी हो सकती है.
- स्तनपान कराने वाली माताओं में सौंफ खाने से दूध बढ़ सकता है, लेकिन इससे शिशु की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है.
- त्वचा में निखार लाने के लिए सौंफ का इस्तेमाल भले ही किया जाता हो, लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदायक हो सकता है. सौंफ खाने से सेंस्टिविटी बढ़ सकती है.
- यदि आपको एलर्जी की समस्या है तो सौंफ का सेवन नहीं करना चाहिए. विशेषज्ञों की मानें तो इससे एलर्जी की समस्या और अधिक बढ़ सकती है.

सौंफ कब खाना चाहिए

एक माउथ फ्रेशनर के तौर पर सौंफ का सेवन किसी भी समय किया जा सकता है. यदि आपको पाचन संबंधी कोई समस्या है तो खाना खाने के बाद सौंफ का सेवन विशेषतौर पर करना चाहिए. यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो रात खाना खाने के बाद सोने से पहले 1 चम्मच सौंफ जरूर खाएं.

सौंफ मिश्री के फायदे

- सौंफ और मिश्री का सेवन अच्छे माउथ फ्रेशनर के तौर पर किया जाता है. यह स्वास्थ्य के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है. सौंफ और मिश्री मिलाकर खाने से सेहत अच्छी रहती है. जिंक, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम, पोटैशियम जैसे कई पोषक तत्व होते हैं. यह पोषक तत्व सेहत को अच्छा बनाए रखते हैं.
- गर्मी के मौसम में सौंफ और मिश्री को मिलाकर खाने से पेट में ठंडक भी मिलती है. यह दोनों चीजें आखों के लिए बहुत अच्छी होती हैं.
- सौंफ और मिश्री मिलाकर खाने से न सिर्फ मुहं में फ्रेशनेस आती बल्कि इसे पाचन की प्रक्रिया तुरंत एक्टिव हो जाती है.
- सौंफ और मिश्री के सेवन से शरीर में आयरन की कमी दूर होती है. सौंफ और मिश्री मिलाकर खाने से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और शरीर के ब्लड फ्लो में भी सुधार होता है.
- आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखना चाहते हैं तो सौंफ और मिश्री का सेवन करें. इससे न सिर्फ नजर में सुधार होता बलकी यह चश्मा हटाने में भी मददगार साबित हो सकता है.
- अगर खांसी और गले में खराश है तो सौंफ और मिश्री मिलाकर खाएं, राहत मिलेगी.
- सौंफ और मिश्री मिलाकर खाने से मुंह का इ लेवल बना रहता है और बैक्टीरिया भी दूर रहते हैं.

सौंफ का उपयोग

- जब सौंफ के इतने लाभ हैं तो जाहिर है इसका उपयोग भी कई से से किया जाता है.
- सौंफ का सबसे पहला उपयोग तो मसालों के रूप में होता है. यह खाने को सौंधापन और एक हल्की सी मिठास देता है.
- सौंफ का सबसे ज्यादा इस्तेमाल माउथ फ्रेशनर के तौर पर होता है. यह सांसों की दुर्गंध से छुटकारा दिलाने में मदद करती है.
- भूनी हुई सौंफ में मिश्री मिलाकर खाने से खांसी में राहत मिलने के साथ ही आवाज में मधुरता भी आती है.
- सौंफ की चाय पीने से मोटापे को कंट्रोल किया जा सकता है.

सौंफ का पानी

अगर आप सौंफ को अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो यह सौंफ के सेवन का एक आसान तरीका हो सकता है. इसके लिए एक चम्मच सौंफ को रातभर के लिए एक गिलास पानी में फिगोकर रख दें. सुबह इस पानी का सेवन कर सकते हैं. सौंफ का पानी डिटॉक्स वाटर की तरह काम करता है और मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है. इस पानी का नियमित तौर पर सेवन करने से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, जिसमें वजन घटाने में मदद मिल सकती है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है.

सौंफ के औषधीय गुण

सौंफ में बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं, जिनके बारे में हम ऊपर जिक्र कर चुके हैं. सौंफ में विटामिन सी, ई, के, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम, सेलेनियम, आयरन, फाइबर जैसे कई पोषक तत्व होते हैं. वजन कम करने से लेकर पाचन को दुरुस्त करने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक सौंफ काफी लाभदायक होता है.

सौंफ की तासीर

सौंफ की तासीर ठंडी होती है, यही कारण है कि गर्मियों में सौंफ का इस्तेमाल काफी होता है. सौंफ में कैल्शियम, सोडियम, आयरन और पोटैशियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं.

सौंफ खाने के तरीके

- सौंफ को हल्का सा ड्राइ रोस्ट करके पीस लें और फिर इसे सब्जी, सलाद, दही और सूप आदि में छिड़कर सेवन कर सकते हैं. गर्मियों में सौंफ की चाय बनाकर भी पी सकते हैं.
- हाउथ फ्रेशनर के तौर पर तो सौंफ का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते ही हैं. इसका टेस्ट बढ़ाने के लिए मिश्री के दाने भी मिला सकते हैं.
- अगर आपको दूध पीना अच्छा नहीं लगता तो उसमें सौंफ मिलाकर पी सकते हैं. सौंफ मिलाकर दूध को उबाल लें और फिर छानकर गर्मागर्म सेवन करें.

सेहत

क्यों सूखता है बार-बार गला

कई बार मौसम में बदलाव आने पर गला सूखने लगता है, पर यह सेहत से जुड़ी कुछ समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर खान-पान में सुधार करके इस परेशानी से छुटकारा मिल जाता है। बता रही हैं

मानव शरीर एक ऐसी अद्भुत मशीन की तरह है, जो अपने अंदर होने वाली संभावित खराबी के बारे में पहले ही संकेत दे देती है। ऐसी ही एक समस्या है बार-बार गला सूखना। वैसे तो सर्दी और गर्मी में प्यास लगने पर गला सूखना एक साधारण सी बात है, लेकिन अकारण ही बार-बार गला सूखता रहे या पानी पीने के बाद भी मुंह सूखा ही रहे तो यह किसी गंभीर बीमारी के लक्षण भी हो सकते हैं।

दरअसल, हमारे मुंह में लगातार लार बनती रहती है, जो गले को सूखने नहीं देती। लेकिन किन्हीं विशेष परिस्थितियों में जब मुंह में लार बनने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है, तो मुंह और गला सूखने लगता है। चिंता, तनाव, अस्थमा, धूम्रपान, एसिडिटी, अनियमित जीवनशैली, शरीर में पानी की कमी, पोषण की कमी, एंटी डिप्रेशन दवाओं और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों/ कारणों और कुछ खास प्रकार की दवाओं के सेवन से यह स्थिति पैदा हो सकती है। यदि लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे, तो मुंह में सूजन आ सकती है, जिससे भोजन चबाने और निगलने में भी तकलीफ होने लगती है। इसलिए जरूरी है कि यदि पानी पीने के बावजूद असामान्य रूप से गला सूखता हो तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लें।

क्यों सूखता है गला?

वैसे तो गला सूखना एक साधारण समस्या है, जो अकसर गर्मी की अपेक्षा सर्दी में ज्यादा परेशान करती है। दरअसल, सर्दी में पसीना कम आता है और प्यास भी कम लगती है। लेकिन इसके साथ-साथ सर्दी में हवा भी शुष्क हो जाती है, जो सांस के जरिए अंदर जाकर गला भी सुखा देती है। इसी प्रकार गर्मियों के मौसम में उच्च तापमान होने और अधिक पसीना आने के कारण गला सूखता है, जिसकी वजह से बार-बार पानी पीने की इच्छा होती है। यह जानना जरूरी है कि हमारे शरीर में स्पाइनल डिस्क और कार्टिलेज में 80 फीसदी पानी होता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी होने से हमारी सामान्य गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित होती हैं। खासतौर से जोड़ों में दिक्कत बढ़ने लगती है। बावजूद, इसके अगर गला सूखने की समस्या दो हफ्तों से अधिक बनी रहे तो यह किसी बीमारी का प्रारंभिक लक्षण भी हो सकता है।

टॉन्सिलाइटिसः हमारे गले में पीछे की ओर टॉन्सिल नामक दो ग्रंथियां होती हैं, जो कई प्रकार के संक्रमणों से हमारा बचाव करती हैं। लेकिन, जब इन ग्रंथियों में ही संक्रमण हो जाता है तो उसे टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इस संक्रमण में इन ग्रंथियों पर सफेद रंग की एक परत सी चढ़ जाती है, जो एक प्रकार का फंगल इन्फेक्शन होता है। इसमें गला सूखने के साथ-साथ निगलने में दर्द, गले में दर्द के साथ बलगम, कान में दर्द और बुखार जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस स्थिति में दवा लेने के साथ-साथ ठंडी चीजों से परहेज और गर्म पानी से गरारे करने की सलाह दी जाती है।

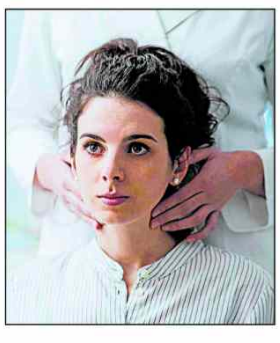

एसिड रिफ्लक्सः इस स्थिति में आहार नली में एसिड की मात्रा काफी बढ़ जाती है, जिसकी वजह से सीने में जलन होने लगती है और गला सूखने लगता है। ऐसे में बार-बार पानी पीने का मन करता है, लेकिन गले में सूखापन बना रहता है। देर रात भोजन करने या बहुत ज्यादा तेज मिर्च मसालों वाला आहार लेने से यह समस्या उत्पन्न होती है। इसके अलावा सामान्य से ज्यादा वजन वाले लोगों में भी यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। हालांकि आहार संबंधी आदतों में बदलाव लाकर और दवाओं द्वारा इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है, लेकिन कभी-कभी स्थिति गंभीर हो जाने पर डॉक्टर सर्जरी की सलाह भी देते हैं। एसिड रिफ्लक्स पर लंबे समय तक ध्यान न दिए जाने से यह बढ़ने लगता है और आपके रोजमर्रा के काम और जीवनशैली पर असर पड़ने लगता है। एसिड रिफ्लक्स का बढ़ना गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) की शुरुआत हो सकती है, जो एक प्रकार का पाचन संबंधी रोग है।

एनीमियाः जब हमारे शरीर में खून की कमी हो जाती है, तो उसे एनीमिया कहते हैं। ऐसे में हमारे शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं कम होने लगती हैं, जिसकी कमी को पूरा करने के लिए हमारे शरीर को ज्यादा मात्रा में पानी की जरूरत पड़ने लगती है। इस वजह से बार-बार गला सूखता है और साथ ही चक्कर आना, थकान, सांस फूलना और दिल की धड़कन तेज हो जाने जैसे लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं। शरीर में खून की कमी को पूरा करने के लिए डॉक्टर दवाओं के साथ-साथ पोषक तत्वों से भरपूर आहार के सेवन की सलाह देते हैं और आहार में गाजर, चुकंदर, टमाटर और हरी सब्जियां शामिल करने को तरजीह देते हैं।

टाइप 2 डायबिटीजः यह एक ऐसी विकट समस्या है, जिससे आज हर उम्र के लोग बड़ी संख्या में जूझ रहे हैं। इस बीमारी में किडनी की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी आ जाती है और वह शरीर में पानी को रोक नहीं पातीं। परिणामस्वरूप मधुमेह से पीड़ित लोगों को बार-बार पेशाब आता है और गला लगातार सूखा बना रहता है। हालांकि इस समस्या से पूरी तरह छुटकारा नहीं पाया जा सकता, लेकिन उचित इलाज, दवाओं डॉक्टर की सलाह का पालन करके एक सामान्य जीवन व्यतीत किया जा सकता है।

सांस संबंधी परेशानियां : दमा जैसी परेशानियों से जूझ रहे लोग, गला बार-बार सूखने की शिकायत करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मसलन, कई बार कुछ दवाओं के सेवन से गला और मुंह सूखने की

शिकायत हो सकती है। श्वसन जनित रोगों में व्यक्ति को सामान्य लोगों की तुलना में नाक से सांस लेने में काफी मेहनत करनी पड़ती है, इसलिए वह मुंह से सांस लेने लगता है, जिसकी वजह से गला शुष्क होने लगता है। बार-बार पानी पीने की इच्छा होती है।

इसके अलावा कुछ बीमारियों और संक्रमण की वजह से भी गला सूखने की दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। मसलन, अल्जाइमर, सिस्टिक फाइब्रेसिस, रूमेटॉएड आर्थ्राइटिस जैसी स्थितियों में चिकित्सीय दुष्प्रभाव की वजह से भी ड्राई थ्रोट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

निम्न रक्तचाप : घबराहट या अत्यधिक तनाव की वजह से कभी-कभी बीपी का स्तर नीचे गिरने लगता है। ऐसी स्थिति में बार-बार गला सूखना एक मुख्य लक्षण होता है। और यदि ब्लड प्रेशर सामान्य स्तर से ज्यादा नीचे चला जाए तो शरीर में ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होने लगती है। इससे भी बार-बार गला सूखने लगता है और रह-रहकर प्यास लगती है। इस स्थिति में चक्कर आना, बेहोशी छाना और हाथ-पैर ठंडे पड़ जाना जैसे लक्षण भी दिखने लगते हैं। लो बीपी की समस्या में डॉक्टर आपको भरपूर पानी पीने के साथ-साथ आहार में नमक की मात्रा बढ़ाने की सलाह भी दे सकते हैं।

हाइपोथाइरॉएडिज्मः विभिन्न शोध एवं आंकड़े बताते हैं कि इस बीमारी से महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। इस अवस्था में थाइरॉएड ग्रंथि पूरी तरह काम नहीं कर पाती, जिसकी वजह से अकारण वजन बढ़ना, सूखी त्वचा, ठंड ज्यादा लगना, अवसाद और बार-बार प्यास लगने जैसे लक्षण सामने आने लगते हैं। रक्त के नमूने की जांच करके थाइरॉएड ग्रंथि की दशा का पता लगाया जा सकता है, जिसके बाद नियमित दवाओं तथा संतुलित जीवनशैली अपनाकर इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

खान-पान में करें सुधार

- बहुत अधिक मीठी चीजों के सेवन से परहेज करें।
- चाय, कॉफी जैसे कैफीनयुक्त पेय पदार्थों का सेवन कम करें।
- सौंफ में फ्लेवेनॉएड होते हैं, जिससे थूक या लार ज्यादा बनती है। खाने के बाद कुछ दानों को नियमित चबाएं।
- गला बार-बार सूख रहा है तो ऑयल पुलिंग करें। यानी नारियल या तिल के तेल की एक चम्मच मुंह में लेकर कुल्ला करें। करीब दस से 12 मिनट तक उसे मुंह में भरकर घुमाते रहें और बाद में बाहर निकाल दें।
- शराब और सिगरेट से दूरी बनाकर रखें।
- अपने आहार में ताजे फल और हरी सब्जियां ज्यादा मात्रा में शामिल करें।
- शरीर में पानी की कमी न होने दें। क्योंकि दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से आंतरिक झिल्ली में नमी बनी रहती है, जिससे मुंह नहीं सूखता।
- हर बार खाने के बाद कुल्ला अवश्य करें।
- दांतों की सेहत और सफाई का विशेष ख्याल रखें।
- यदि टूथ पिक इस्तेमाल करने कि आदत हो तो हर बार नई टूथ पिक का इस्तेमाल करें।
- मुंह में दर्द या सूजन की स्थिति में ज्यादा तले-भुने और मिर्च-मसाले वाले भोजन का सेवन ना करें।
- बिना चीनी वाली कैंडी चूसने से भी गला सूखने में राहत मिलती है।
- जब कमरे में हों तो ह्यूमिडिफायर चला कर रखें, ताकि हवा में नमी बनी रहे और गला शुष्क ना हो।
- गुनगुने पानी में शहद डालकर पीने या मिश्री चूसने से भी शुष्क गले की समस्या में राहत मिलती है।
- नींबू पानी भी फायदेमंद रहता है। मुंह में लार ज्यादा बनती रहती है।

साप्ताहिक समय माया

सुधरी कान्ह-सरस्वती की हालत
फिर भी मानकों से कोसों दूर

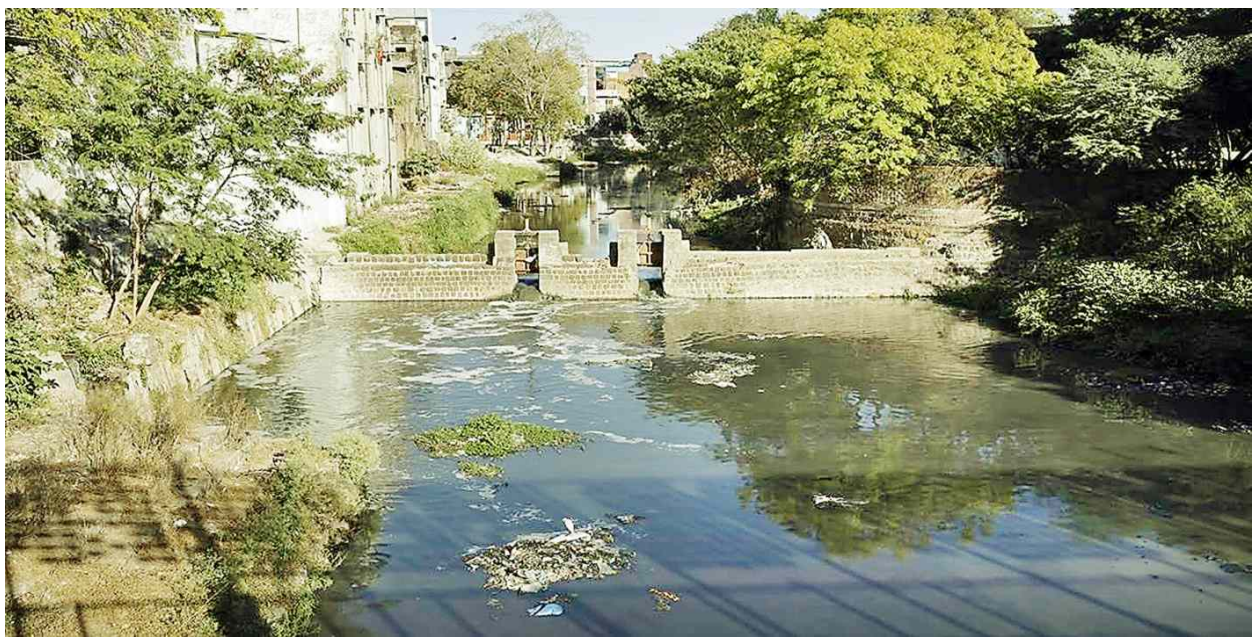

शहर से गुजर रही कान्ह और सरस्वती नदियों को कुछ वर्षों से स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रतिमाह कान्ह और सरस्वती नदियों के 15 पाइंट पर जल प्रदूषण का स्तर मापता है। फरवरी 2023 से जनवरी 2024 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस दौरान काफी हद तक इन नदियों के जल प्रदूषण में सुधार हुआ है, लेकिन इतना भी नहीं कि जलीय-जीव के लिए अनुकूल हो।नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र से गुजर रही इन नदियों को स्वच्छ रखने के लिए 10 एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) और एक कामन एफ्युलेंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हैं, जहां हर दिन 360 एमएलडी दूषित जल को उपचारित किया जाता है, लेकिन शहर में अब भी कई जगह आउटफाल कान्ह और सरस्वती में मिल रहे हैं। हालांकि एक वर्ष में प्रशासन द्वारा उद्योगों पर कार्रवाई और नगर निगम के उपाय के चलते दोनों नदियों के पानी के स्तर में लगातार सुधार आ रहा है। फरवरी 2023 में बायोकेमिकल आक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर जहां 34 मिलीग्राम प्रति लीटर था, जो जनवरी में घटकर 20 रह गया है। सामान्य तौर पर दो या दो से कम होना चाहिए। इसी तरह फरवरी 2023 में (सीओडी) केमिकल आक्सीजन मांग का स्तर 107.8 मिलीग्राम प्रति लीटर था, वहीं जनवरी में घटकर 80 रह गया है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। जानकारी के अनुसार वर्षा शुरू होते ही नदी-नालों में तेज बहाव के साथ पानी आता है। इसके चलते गंदगी निकल जाती है। यही कारण है कि कान्ह और सरस्वती में जुलाई-अगस्त में बीओडी और सीओडी की मात्रा कम हो जाती है। हालांकि इतनी भी कम नहीं की पानी साफ रहे और जलीय जीव-जंतु के लिहाज से अनुकूल हो।

माह	(कबीटखेड़ी) बीओडी	सीओडी	(शक्करखेड़ी) बीओडी	सीओडी
फरवरी-2023	34	107.8	38	127.4
मार्च-2023	28	105.6	26	86.4
अप्रैल-2023	18	0	24	120
मई-2023	12	45	15	51.94
जून-2023	13	49	16	49
जुलाई-2023	10	45	14	70
अगस्त-2023	16	80	28	110
सितंबर-2023	36	90	34	110
अक्टूबर-2023	17	70	20	80
नवंबर-2023	14	70	18	80
दिसंबर-2023	16	69.16	17	79.04
जनवरी-2024	20	80	18	60

लोकसभा चुनाव में हेलीकॉप्टर की मांग ४० प्रतिशत बढ़ी

विमानन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों की तैयारी के बीच विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर की मांग में पिछले आम चुनाव के मुकाबले 40 फीसदी तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। 'क्लब वन एयर' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजन मेहरा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''निजी विमानों की मांग तेजी से बढ़ेगी और यह मांग विशेष विमानों और हेलीकॉप्टरों की उपलब्धता से अधिक होने की उम्मीद है। विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर की आपूर्ति सीमित संख्या में होती है।''

हेलीकॉप्टर सेवा का शुल्क प्रति घंटे के आधार पर

विशेष विमान और हेलीकॉप्टर सेवा का शुल्क प्रति घंटे के आधार पर लिया जाता है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों की राय है कि विशेष विमान का शुल्क साढ़े चार लाख रुपये से 5.25 लाख रुपये प्रति घंटे के बीच हो सकता है। एक हेलीकॉप्टर के लिए प्रति घंटे का शुल्क करीब डेढ़ लाख रुपये होगा। बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन (बीएओए) के प्रबंध निदेशक कैप्टन आर के बाली ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान निजी विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर की मांग पिछले चुनाव की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला कि दिसंबर 2023 के अंत में 112 गैर-अनुसूचित संचालक (एनएसओपी) थे।

आम तौर पर एनएसओपी ऐसी इकाइयां होती हैं

आम तौर पर एनएसओपी ऐसी इकाइयां होती हैं जिनका कोई विशेष निर्धारित कार्यक्रम नहीं होता है और उनके विमान आवश्यकता पड़ने पर उड़ान भरते हैं। बाली ने कहा कि करीब 112 एनएसओपी हैं लेकिन इनमें से 40-50 फीसदी केवल एक विमान का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि एनएसओपी के पास करीब 450 विमान होने का अनुमान है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन 'ऑपरेटर' के पास जो विमान और हेलीकॉप्टर हैं, उनमें बैठने की क्षमता तीन से 37 तक है।

विमानों और हेलीकॉप्टर में बैठने की क्षमता 10 से कम

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश विमानों और हेलीकॉप्टर में बैठने की क्षमता 10 से कम है। मेहरा ने कहा कि राजनीतिक नेता छोटे कस्बों तक यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर की मांग करेंगे, इसलिए हेलीकॉप्टर की मांग अधिक बढ़ने की संभावना है।

हिट एंड रन देश में टॉप पर मध्यप्रदेश
बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में दूसरे स्थान पर

बलात्कार के मामले में राजस्थान और हत्या के मामले में झारखंड प्रथम-मध्यप्रदेश दोनों में क्रमशः नौवें नंबर एवं दसवें नंबर पर

देश में मध्य प्रदेश की विभिन्न अपराधों में स्थिति एवं मध्य प्रदेश में 'हाउ टू कंट्रोल क्राईम ' विषय पर कानूनी अध्ययन कर राज्य सरकार को महत्वपूर्ण कानूनी सुझाव इंदौर के अधिवक्ता एवं विधि विशेषज्ञ पंकज वाधवानी द्वारा प्रेषित किए गए हैं और मांग की गई है कि यदि इन सुझावों पर अमल किया जाता है तो मध्यप्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में और अधिक अच्छी होगी और मध्यप्रदेश एक सुरक्षित राज्य के रूप में उभर कर सामने आएगा। इंदौर के अधिवक्ता एवं लॉ प्रोफेसर पंकज वाधवानी ने नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी किए गए विभिन्न भारतीय राज्यों के आपराधिक आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन कर विभिन्न अपराधों से संबंधित आंकड़े जुटाए हैं जिसके अनुसार देश के 28 राज्यों में मध्य प्रदेश सड़क दुर्घटनाओं में हिट एंड रन के मामलों एवं बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में टॉप पर है, जिस पर नियंत्रण करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कानूनी उपाय राज्य सरकार को प्रेषित किए हैं जिनमें प्रमुख रूप से दोनों अपराधियों के लिए आम जनता की सहभागिता और जागरूकता की आवश्यकता है क्योंकि हिट एंड रन के मामले तथा बच्चों के खिलाफ होने वाले सर्वाधिक अपराध आम जनता की सहभागिता एवं सक्रियता से ही रोके जा सकते हैं। वाधवानी द्वारा प्रेषित सुझावों में राज्य सरकार से विशेष रूप से आग्रह किया गया है कि इन अपराधों के लिए पुलिस जनता संवाद को बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है साथ ही ऐसे अपराधों की जानकारी देने पर जनता को विभिन्न इंसेंटिव प्रदान किए जाने पर भी कार्य किया जा सकता है। राज्य सरकार को प्रेषित सुझावों में अधिवक्ता पंकज वाधवानी ने कहा है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले बलात्कार के मामले में राजस्थान 16.4 अपराध दर एवं हत्या के मामलों में झारखंड 4.1 अपराध दर प्रति एक लाख जनसंख्या अनुसार प्रथम है वही मध्य प्रदेश बलात्कार के मामलों में 7.2 एवं हत्या के मामले में 2.4 अपराध अनुसार क्रमशः नौवें एवं दसवें नंबर पर है। इसी प्रकार हिंसात्मक अपराधों के आंकड़ों में असम 76.1 अपराध डर के साथ प्रथम एवं पश्चिम बंगाल 48.7 एवं उड़ीसा 48.6 अपराध दर के साथ द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर हैं। यहां पर भी मध्य प्रदेश 30.2 अपराध दर के साथ 11 वे स्थान पर है। एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों का विश्लेषण करने के उपरांत देश के 28 राज्यों में मध्यप्रदेश हिट एंड रन के मामलों में टॉप पर है क्योंकि मध्य प्रदेश की हिट एंड रन के मामलों में अपराध दर 8.8 हैं जोकि द्वितीय स्थान पर आने वाले उत्तर प्रदेश राज्य से भी अधिक है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में

पेज 1 का शेष

वहीं, जस्टिस अरुण मिश्रा ने कहा कि इस तरह के अनैतिक आरोपों से न्यायपालिका पर से लोगों का विश्वास डगमगाएगा. इस दौरान कोर्ट के अंदर जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा कि इसकी भी जांच होनी चाहिए कि इस महिला को यहां सुप्रीम कोर्ट में नौकरी कैसे मिल गई जबकि उसके खिलाफ आपराधिक केस है. अटॉर्नी जनरल ने कहा कि पुलिस द्वारा कैसे इस महिला को क्लीन चिट दी गई. अब उस दृश्य को याद करें जब सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर देश की न्यायपालिका पर खतरा बताया था। क्या यह रफॉल मामले में न्यायिक सक्रियता ओर एक तरह की ’ जज लोया ’ प्रतिक्रिया है? यदि यह हकीकत है तो ये मतदान बेमानी है। लोकतंत्र पर बड़ा खतरा है।सारी प्रक्रिया सत्ता हथियाने की औपचारिकता मात्र है। केंचुआ का व्यवहार जाहिर है, ईवीएम के खेल सामने आ ही रहे है एयर अब सुप्रीम कोर्ट की रिगिंग हो रही है। देश पर इतना बड़ा संवैधानिक संकट और खुद को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहने वाला मीडिया बिहार से लाइव चुनाव रैली दिखा कर विज्ञापन के दाम चुका रहा है। नागरिक समाज को आगे आना होगा।

2 से 20 लाख रु.तक के कार्यों में बिना निविदा

पेज 8 का शेष

यदि सभी विभागों में जाकर 31 मार्च तक किए गए सारे भुगतानों के ठहराव पत्र की जांच से लेकर एमबी और दिलों की जांच कर ली जाएतो पूरे प्रदेश में लगभग 2000 करोड रुपए के भुगतान के फर्जी बड़े सामने आ जाएंगे क्योंकि हर संभाग में 3-5 दलाल प्रकृति के ठेकेदार पले हुए होते हैं। जो ऐसे सारे फर्जी वाड़े के कार्य करते हैं। जबकि जारी की गई ऐसी सारी निविदायें अभी जबकिचुनावी मौसम है और सारे मतदान केंद्रों के रखरखाव मतदान केदो पर मतदाताओं के लिए छांव पीने के पानी की मूत्रालय शौचालय आदि की व्यवस्था के साथ और मतदान दल के ठहरने खाने पीने के लिए बिजली, पंखे, सीसीटीवी कैमरे, रेलिंग वाले रैंप आदि की व्यवस्था करने में जो भी कार्य विभाग जिला चुनाव अधिकारी जो एडीएम या एसडीएम होता है। के निकट और ज्यादा कमीशन देने की बात करता है। फिर चाहे वह लोग निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, ग्रामीण यांत्रिकीय निगम पालिकाएं आदि भी यह कार्य संपन्न करते हैं और आपने देखा पिछली बार स्मार्ट मतदान केंद्र केनंबर40 से ज्यादा जो केंद्र बनाए गए थेउसमें80ঃ पैसा हजम कर लिया गया थाऔरजो लोकसभा चुनाव के लिए आवंटन आया है उसमें भी इसी प्रकार से खेल किया इसके साथ ही आपने देखा किसी भी मतदान केंद्र पर जालसाज जिलाधीश जो सत्ता के इशारे पर नाच कर फर्जीवाड़े से मतदान केदो परफर्जी मतदान करवाने जानबूझकर सीसीटीवी कैमरे काफर्जी बिल लगाकर प्रसारण कर लेता है परंतु किसी भी मतदान केंद्र परयथार्थ मेंसीसीटीवी कैमरे स्क्रीनव उसकारिमोट कनेक्शन कभी नहीं किया जाताजबकि मतदान पार दर्शी होने के लिएहर मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे स्क्रीन के साथ में उसका रिमोट प्रदर्शन हर व्यक्ति नेता पदाधिकारी देख सके व्यवस्था भी की जानी चाहिए?। बेशक सबके दिल बनाकरकार्य विभाग इन फर्जी बिलों की हिस्सेदारी में कलेक्टर तक को शामिल करता है। ऐसा नहीं है केवल रु.2 से 20 लाख तक के कार्यों के अतिरिक्त भी भुगतान के अनेको तरीके होते हैं और जिसमें सबसे महत्वपूर्ण होता है। हैंड रिसिप्ट पर भी विभिन्न प्रकार के बिल बनाकर भी भुगतान ले लिया जाता है।

जर्मनी और यूएसए के बाद अब केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में कूदा यूएन

पेज 1 का शेष

संयुक्त राष्ट्र की इस प्रतिक्रिया से एक दिन पहले अमेरिका ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी तथा कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाये जाने के ऐसे ही सवाल पर प्रतिक्रिया दी थी।

अमेरिका और जर्मनी के राजदूत को इस मामले में टिप्पणी पर भारत कर चुका है तलबः केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किये जाने के कुछ घंटे बाद बुधवार को वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था, ‘‘मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे।

भारत ने अमेरिका की टिप्पणी को बताया अनुचित

केजरीवाल पर अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी के बाद नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था। यह बैठक 30 मिनट से अधिक समय तक चली थी। भारत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर की गई अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी को ‘अनुचित’ करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति ‘घोटाले’ से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है।

रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन ने दिखाया दम

खड़गे बोले- भाजपा और आरएसएस जहर की तरह, जहर चखोगे तो भी मरोगे

दिल्ली के रामलीला मैदान में आज इंडिया गठबंधन ’लोकतंत्र बचाओ’ रैली कर रहा है। लोकसभा चुनाव से पहले हो रही इस महारैली को विपक्ष शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। यह महारैली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि में आयोजित हो रही है। इस रैली में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी, सपा समेत करीब 28 पार्टियों के वरिष्ठ नेता हिस्सा ले रहे हैं। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी इस महारैली में हिस्सा ले रही हैं और मंच से अरविंद केजरीवाल का संदेश भी पढ़ेंगी। विपक्ष की इस महारैली में दिल्ली-झारखंड के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खाते सीज किए जाने जैसे मुद्दों को उठाया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा आयोजित ‘इंडिया’ गठबंधन की महारैली के मद्देनजर रामलीला मैदान के हर द्वार पर जांच की व्यवस्था के साथ ही आसपास के इलाके में अर्धसैनिक बलों की तैनाती की है।

इंडिया गठबंधन की महारैली में मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, चंपई सोरेन, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, भगवंत मान, कल्पना सोरेन, अखिलेश यादव, महबूबा मुफ्ती, आदित्य ठाकरे और ममता बनर्जी के प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया।

साथ ही डीएमके के सांसद, फारूख अब्दुल्ला, सीताराम येचुरी सहित लेफ्ट पार्टियों के प्रमुख नेता भी रैली में पहुंचे। रामलीला मैदान में रैली में हजारों की तादाद में कार्यकर्ता भी पहुंचे हैं। इसको देखते हुए दिल्ली पुलिस ने जाम से बचने के लिए वाहन चालकों को रविवार सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक रामलीला मैदान के पास जाने से बचने की सलाह दी है।

रंग पंचमी पर जुटी लाखों की भीड़ ने एंबुलेंस को दिया रास्ता

पेज 8 का शेष

मध्य प्रदेश के इंदौर में शनिवार को रंगपंचमी की अलग ही धूम थी. गेर का उत्साह देखते बन रहा था. पूरा शहर रंगोत्सव में डूबा रहा. गेर के दौरान इंदौर का आसमान तक रंगीन नजर आ रहा था. जमीन से लेकर आसमान तक हर जगह रंगों की बौछार थी. इसी दौरान गेर में इंसानियत भी दिखी. दरअसल, लाखों की भीड़ के बीच अचानक एक एंबुलेंस आ गई. तभी लोगों ने उत्साह को रोका और सबसे पहले एंबुलेंस को निकलने का रास्ता दिया. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.

इंदौर में रंगपंचमी पर निकलने वाली गेर को यूनेस्को में शामिल करने के लिए शहरवासियों और प्रशासन की और से तमाम कोशिशें की जा रही हैं. करीब 75 बरस के सफर में दो साल कोरोना के कारण इस गेर पर ब्रेक लग गया था. हर साल इस गेर में लाखों की संख्या में लोग शामिल होते हैं. गैरों के बीच अपनत्व की मिसाल पेश करने वाली गेर की एक पहचान इंसानियत भी है, इसका जीता जागता सबूत आज इंदौर में फिर देखने को मिला. भरी गेर के दौरान जब आज राजवाड़ा पर एंबुलेंस आई तो शहरवासियों ने तुरंत उसको रास्ता दिया.

बड़ी-बड़ी पिचाकारियों से उड़ाए रंग

इंदौर में गेर सुबह 11.30 बजे मल्हारगंज टोरी कॉर्नर से शुरू हुई, जो शाम 5 बजे तक चली. इसमें इंदौर के अलग-अलग संगठन सड़कों पर उतरे और चार पहिया वाहन, टैंकर आदि से रंगों की बौछार की. बड़ी-बड़ी पिचकारियों से रंग उड़ाए. संभावना जताई जा रही है कि इंदौर की गेर में इस साल करीब 5 लाख लोग शामिल होने के आसार हैं.

विदेशों से पहुंचे लोग

इंदौर की गेर पूरी दुनिया में मशहूर हो चुकी है. क्योंकि इंदौर जैसी रंग पंचमी पूरी दुनिया में कहीं नहीं मनाई जाती. ऐसे में दुनिया के कोने-कोने से लोग इंदौर पहुंचने लगे हैं. दुबई, सिंगापुर, मलेशिया, यूएई, अमेरिका, लंदन से एनआरआई इंदौर आ चुके हैं. इस बार विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में गेर में शामिल हुए. देश के दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे हैं.

ऐसे निकले गेर संगठन

हिंद रक्षक संगठन की फाग यात्रा राजवाड़ा पर आई. सबसे आगे युवक भगवा पताकाएं लेकर चलते दिखे. फिर भजन मंडलियां भजन गा रही हैं. संजीवनी पर्वत उठाए हनुमान की एक झांकी भी इस यात्रा में शामिल दिखी. संगम कॉर्नर का 70 वर्ष पूर्व बैलगाड़ी, ठेलागाड़ी से चला कारवां, रंग उड़ाती मिसाइल तक पहुंचा. इस बार आकर्षण का केंद्र बरसाना की टीम लठमार होली की रही. यहां राधा कृष्ण की जोड़ी रास रंग और बांके बिहारी का ढोल आकर्षण का केंद्र है. रसिया कॉर्नर ने 51 वर्ष पूरे किए. इस संगठन की गेर में ई-रिक्शा और 5 टैंकर खास रहे, जो 100 फीट तक रंग बरसाते नजर आए. मॉरल क्लब का इस साल 50वां वर्ष रहा, जो गेर में बोरिंग मशीन से रंग-गुलाल उड़ाते दिखे.

एक घंटे में साफ होंगी सड़कें

जानकारी के मुताबिक, इंदौर नगर निगम की इस बार योजना है कि एक तरफ जहां लोग रोड पर रंग उड़ाएंगे, दूसरी तरफ सफाई कर्मचारी हाथों में झाड़ू-पानी लेकर तैयार खड़े रहेंगे. जैसे ही हुलियारे आगे बढ़ेंगे, कर्मचारी सफाई में जुट जाएंगे.

इंदौर की गैर में मुख्यमंत्री व एंबुलेंस प्रवेश पूर्व नियोजित षडयंत्र

सीएम मोहन यादव ने भी मोदी की तरह दिखाई नौटंकी

गैर में 1 लाख से ज्यादा की भीड़ नहीं, दिखावे के लिए लोगों की जान से खिलवाड

इंदौर में गैर का अपना ऐतिहासिक महत्व है। जो 30 मार्च को निकल गई बेशक टोरी कॉर्नर से लेकर श्री कृष्णा टॉकीज के पुल तक जो 7 लाख की भीड़ दिखाई गई वह पूर्णता बकवास है क्योंकि 10000 लोगों से ही खचाखच बढ़ सकता है पर फिर भी माना जा सकता है कि लगभग 1 लाख लोग होंगे।

लोकसभा का चुनाव सिर पर है स्वाभाविक है मोदी के निर्देश व कहने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर की गैर में शामिल होने के लिए विवश हुए। 3 घंटे की गैर में जो मल्हारगंज के टोरी कॉर्नर्स से शुरू होकरश्री कृष्णा पुल तक आती है इसकी लंबाई मात्र 1.6 किमी है और इसमें10000 लोगों की भीड़ भी काफी होती है। जिसे 1 लाख तक अधिकतम माना जा सकता है। पर दैनिक समाचार पत्रों ने कलेक्टर निगम आयुक्त और महापौर की वाहवाही दिखाने के लिए भीड़ को7 लाख बता दिया जबकि वहां एक लाख लोगों की भीड़ भी आधा घंटे नहीं खड़ी रह सकती तो 7 लाख लोग कहां से कैसे उसे छोटे से क्षेत्र में आएंगे फिर भी फिर भी हम भारतीय 130 करोड लोग छोटे से वर्णसंकर 30 करोड़ के अमेरिकी षड्यंत्रकारी संगठन यूनेस्को के विश्व रिकॉर्ड में मापदंड पर खरे उतरने के लिए आंकड़े बड़ा चढ़ाकर पेश किए गए हैं। गलियां मंत्र 25-30 मीटर चौड़ी होने के साथ में भी राजवाड़े पर थोड़ा सा मैदान है जहां लगभग एक बार में 25-30000 लोग खड़े हो सकते हैं इस भीड़ में चूंकि देश और विश्व की सत्ताओं का सबसे बड़ा जाहिल नौटंकी बाज वाचाल मोदी भीड़ को देखकर बरा जाने की बीमारी से पीड़ित है इसलिए लोकसभा चुनाव को देखकर उसने इस गेट में शामिल होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजो और वह भेजने के बाद में अपनी महानता सरलता और संवेदनशीलता दिखाने के लिए जान बूझकर उस 25 30 मी चौड़ी गलियों में एंबुलेंस को घुसा दिया गया। महानता के प्रदर्शन के लिए यह सब कुछ सुनियोजित शैलेंद्र था और भीड़ को पुलिस ने अपनी बाथरूम दिखाते हुए एंबुलेंस को रास्ता दिया गया जिसकी जनता और प्रशासन की संवेदनशीलता का प्रदर्शन की बड़ी की कहानी के समाचार पत्रों में छापी गई है।

इसके विपरीत समाचार पत्र और प्रशासन अगर यह कह रहे हैं कि वहां 7 लाख आदमी थे जबकि यथार्थ में एक लाख ही थे यदि थोड़ा सा कुछ ऊंचा नीचा या भगदड़ मच जाती तो एंबुलेंस के नीचे 25 50 लोगों की लाशें बिछ जाना मामूली खेल होता और फिर यहां जब 200 मरते हैं तो 36 दिखाते हैं। फॉलोइंग पूछताछ और जांच चलती रहती है निष्कर्ष सामने नहीं आते हैं तो जनता की जान से खिलवाड़ करना प्रशासनिक-अधिकारियों और नेताओं का पुराना शौक रहा है। जबकि सूत्रों के अनुसार दूसरी बार लोकसभा के बने उम्मीदवार शंकर लालवानी और वर्तमान में महापौर पुष्यमित्र भार्गव पर उनके ही पार्टी के विरोधी 6 महीने भीड़ में से चप्पल जूते उनकी तरफ उछाल दिए थे और बीच मारपीट हो जाती है और एंबुलेंस आ जाती तो क्या होता समझा जा सकता है। (शेष पेज 7 पर)

वर्षांत पर सभी कार्य विभागों में चला फर्जीवाड़े से लूट का तांडव

2 से 20 लाख रु.तक के कार्यों में बिना निविदा, एमबी भरे बिलों के भुगतान

लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, जल संसाधन, नर्मदा घाटी, ग्रामीण यांत्रिकीय, गृह निर्माण, विकास प्राधिकरणों, नगर पालिकाओं, निगमों, विद्युत कंपनियों आदि के सभी संभागों विभागों में अरबों के फर्जी भुगतान हुए।

प्रदेश के सभी बड़े विभागों में खुले में 5% कमीशन पर जनवरी-फरवरी मार्च में अरबों रुपए का प्राप्त आवंटन को खर्च करना था भले ही प्रदेश की सरकार लाखों करोड़ के कर्ज में हो पर अधिकारी कर्मचारी अपने लूट में कोई कमी नहीं छोड़ते। और छोड़ेंगे भी कैसे क्योंकि सभी विभागों में सभी सहायक व कार्यपालन यंत्री प्रभार देकर प्रभार में बैठे हैं और इसी प्रभार के लिए पूरे प्रदेश में पिछले 8 सालों से जानबूझकर पदोन्नतियां नहीं दी जा रही।

बीते 31 मार्च को लगभग पूरे प्रदेश में सभी विभागों में2000 करोड रुपए से ज्यादा कब भुगतान था। जिसमें अधिकांश में रु. 200000 के तक के काम और 20 लाख रुपए तक के निर्माण कार्यों में बिना निविदायें बुलाए यहां तक की कुछ खास ठेकेदार जो प्रदेश के हर विभाग के हर संभाग में पले हुए होते हैं।

जिनका सारा कार्य बिना कार्यादेश के भी निरंतर कागजों पर चलता रहता है। जिन्हें बिना बताए भी अपने ही स्तर पर निविदायें दी जाती हैं। निविदायें स्वीकृति देने के बाद ठहराव पत्र में लगने वाली एक ही एसडीआर की बैंक रिसिप्ट आने को ठहराव पत्रों में दिखा दी जाती है।

क्योंकि 31 मार्च के पहले प्राप्त आवंटन को खर्च करना होता है इसलिए बिना पूरी एमबी भरे ही अधूरे बिलों पर करोड़ों के भुगतान न केवल इंदौर के लोक निर्माण विभाग के संभाग क्रमांक 1, 2 विद्युत यांत्रिकीय, भवन, सेतु, राजमार्ग आदि में किए गए के साथ यही हाल लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग विद्युत कंपनियां ग्रामीण यंत्रिकीय नर्मदा घाटी व गृह निर्माण मंडल व अन्य विभागों के इंदौर धार मनावर उज्जैन देवास मंदसौर नीमच शाजापुर रतलाम झाबुआ खंडवा खरगोन अलीराजपुर आदि प्रदेश भर में किया गया जबकि ये बिल बाबूओं द्वारा बनाये जाकर अंकेक्षक द्वारा जांचे जाते हैं। झांसी जाने के बाद में उनके ऊपर संभागीय लेखाकार भी जांचता और पास करता है उसके बाद में वे बिल कार्यपालन यंत्रियों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाकरभुगतान के लिए भेजे जाते हैं।

(शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com
करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत
साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें
मो. 9425125569 / 9479535569
ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958